सम्मेलन में भाग लिया था । इस पर किया गया व्यय नीचे दर्शाया गया है ।

(1) ग्रामीण विकास विभाग 0.41 लाख रुपये (लगभग)

(2) कृषि तथा सहकारिता विभाग में विस्तार निदेशालय 3.75 लाख रुपए

(3) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् 0.50 लाख रुपए

(ख) मध्य प्रदेश सरकार ने सूचना दी है कि इस सम्मेलन में लगभग 11 लाख व्यक्ति आए । इस मेले को देखने आये अधिकांश किसानों और संगोष्ठी में भाग लेने वाले अन्य लोगों ने कृषि उत्पादन में वृद्धि करने वाले नवीनतम वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी परिवर्तनों के बारे में जानकारी प्राप्त की । इस प्रदर्शनी को देखने वाले लोगों में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुए नवीनतम विकास की जानकारी प्राप्त करने तथा उसका प्रयोग करने के लिए जागरूकता पैदा हुई ।

मध्य प्रदेश में "नाफेड" का जैव-उर्वरक संयंत्र

1901. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश में इन्दौर में भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) हमारा जैव-उर्वरक एकक की स्थापना कब की गई थी ;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान इस एकक में कितना उत्पादन हुआ; और

(ग) क्या उक्त एकक लाभ में चल रहा है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) मध्य प्रदेश में भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विभाग संघ (नाफेड) द्वारा स्थापित जैव-उर्वरक उत्पादन एकक मई, 1985 में शुरू की गई थी ।

(ख) इस एकक को परीक्षण के तौर पर शुरू किए जाने के बाद एकक ने खरीफ, 1985 के बुआई मौसम से विभिन्न फसलों के लिए राइजोबियम कल्चर का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया । फरवरी, 1986 को समाप्त हुई छह महीनों की अवधि के दौरान इसने 56.61 मीटरी टन सामग्री का उत्पादन किया।

(ग) इसके प्रचालन का पहला साल अभी पूरा नहीं हुआ है, अत: इसके प्रचालनात्मक परिणाम (लाभ/हानि) जून, 1986 के अंत में लेखों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही पता चलेंगे ।

Production of oil seeds

1902. PROF. C. LAKSHMANNA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what is the present production of oil seeds in the country, State-wise;

(b) whether any research is being done to develop new high yielding varieties of oilseeds which are disease and drought resistants; and

(c) if so, the details thereof, the allocations made for the research during the Seventh Five Year Plan and the targets for production of oilseeds?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION (SHRI YOGENDRA MAKWANA): (a) The present production of nine oilseeds

namely, groundnut, rape seed-mustard, sesamum, safflower, sunflower, soybean, niger, castor and linseed is given in the statement-I. (*See below*)

(b) Yes, Sir.

(c) A number of high-yielding disease and drought presistant varieties of different oilseeds have been developed. Some of the promising varieties of oilseeds are listed in the statement II. (*See below*). During the 7th Plan the total allocation for oilseeds research is Rs. 1050 lakhs. The target of production of oilseeds is given below:—

Year	Production Target (Lakh tonnes)
1984-85 (Base Level)	130·0
1985-86	136·0
1986-87	147·0
1987-88	157·0
1988-89	168·0
1989-90	180·0

Statement-I

Statewise production of nine oilseeds in India during 1984-85

State	Production in Thousand tons (1984-85)
Andhra Pradesh	1430·4
Assam	136·9
Bihar	140·5
Gujarat	2214·6
Haryana	309·7
Jammu & Kashmir	58·8
Karnataka	1072·7
Madhya Pradesh	1310·6
Maharashtra	1528·6
Orissa	748·5
Punjab	190·5
Rajasthan	1158·9
Tamil Nadu	1342·8
Uttar Pradesh	1160·1
West Bengal	241·5
ALL INDIA	13098·6

Statement-II

Groundnut	J-11, JL-24, M-37, Dh-3-30, Kadiri-71-1, Kadiri-2.
Rapeseed-Mustard	M-27, B-54, BS-2, KOS-1, B-9. Varuna, Krishna, T-27, ITSA.
Sesamum	T-13, Pratap, Kanak, Phule Til-1, JT-7, Madhavi
Safflower	APRR-1, APRR-3, Bhima, JSF-1, A-1.
Sunflower	BSH-1, Surya, Co-1.
Soybean	Ankur, Monetta, PK-472, PK-416.
Nigar	Octecamund, N. 12-3, N-71, GA-1, GA-2.
Linseed	Garima, Subhra, Sweeta, Jawahar-23, Himalini.
Castor	SHB-18, Aruna, Kalipi-6, Sowbhagya.